

Mr. Speaker: I am not prepared to give. It is not part of my duty. Let him put the question. There is only one minute more. (Interruption)

Shri Virendrakumar Shah: Is not the name uttered at the time of affirmation the official name?

Mr. Speaker: Naturally The full name is given while taking the affirmation (Interruption). We are using the Question Hour to find out the correct name. (Interruption).

श्री जार्ज फरनेडीज : जब शपथ लेने का काम चल रहा था तो मैं यहाँ पर हाज़िर था और प्रधान मंत्री ने श्रीमती इदिगा नेहरू गांधी के नाम से यहाँ शपथ ली थी। साथ ही जो लोक सभा के सदस्यों की डायरेक्टरी निकली है उस में भी उनका नाम श्रीमती इदिगा नेहरू गांधी है। (इंटरप्शन)

मैं प्रश्न पूछता हूँ। क्या मंत्री महोदय इस बात का खुलासा करेंगे कि क्या उन्हें इस बात की जानकारी है कि प्रधान मंत्री श्रीमती इदिगा नेहरू गांधी ने चुनाव के अवसर पर बम्बई प्रदेश, कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के द्वारा यह बात क्या बताई थी बम्बई के लोगों को कि अगली पंचवर्षीय योजना में बम्बई शहर के विकास के लिए कुछ खाम रकम का इंतजाम हम कर रहे हैं ?

श्री इकबाल सिंह : मुझे पता नहीं है कि उन्होंने क्या कहा था

श्री जार्ज फरनेडीज : सुनने में नहीं आ रहा है।

SHORT NOTICE QUESTION

एन० सी० सी० में छंटनी

+

S N Q 3. श्री कृष्ण चन्द कछवाय :

श्री सरजू पाण्डेय :

श्री राम सिंह :

श्री नारायण स्वच्छाम शर्मा :

क्या राजा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि चीनी आक्रमण

के समय देश के विभिन्न भागों में एन० सी० सी० में भर्ती किये गये होलटाइम ग्रण्डर आफिसर इन्स्ट्रक्टर तथा मार्जेंट मेजर इन्स्ट्रक्टर को नौकरी से हटाया जा रहा है,

(ख) यदि हाँ, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या उन्होंने सरकार को कोई अभ्यावेदन भेजा है, और

(घ) यदि हाँ, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

प्रतिरक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ब० रा० अग्रवाल) : (क) जी हाँ।

(ख) वह सेवा के सेविवर्ग के स्थान पर भरती अस्थायी तौर पर किये गये थे, जो उस समय प्राप्य न थे। चकि सेना इस समय इस स्थिति में है कि आवश्यक सेविवर्ग प्राप्य कर मके, उनकी अब आवश्यकता नहीं है। जैसे और जब ही सेवा के सेविवर्ग एन० सी० सी० में प्रशिक्षण कार्य के लिए प्राप्य हो जाते हैं उनके स्थान पर और व्यक्ति रखे जा रहे हैं।

(ग) जी हाँ।

(घ) एक विवरण सभा के पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

अन्तर्गत प्रशिक्षकों को कुल सख्या 673 है, और सरकार ने मामले पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया है, और उन्हें काम दिलाने के लिए सरकार ने निम्न उपाय किये हैं —

1. सरकार ने एन० सी० सी० के प्रशिक्षकों को केन्द्रीय सरकार के अधीन अस्थायी नियुक्तियों में काम देने के उद्देश्य से आयु सीमा की निम्न छूट दी है —

(1) जिन नियुक्तियों में लगाने के लिए भर्ती काम दिलाऊ सखा

श्री वाराणस स्वल्प शर्मा : रक्षा मंत्री ने अभी बताया है कि जिन की छंटनी की गई है उनकी कोई आवश्यकता नहीं रही है। जैसा कि सब को पता है और सरकार को भी पता होना चाहिये कि चीन ने हमारे कुछ न कुछ भूभाग पर अभी भी अपना अधिकार कर रखा है। इस वास्ते क्या यह मान लिया जाये कि रक्षा मंत्री यह कह रहे हैं कि उस भूभाग को चीन से लेने की अब कोई आवश्यकता नहीं है ?

श्री ब० रा० जगत : इस सवाल को इससे सम्बद्ध नहीं किया जा सकता है। यह तो ट्रेनिंग देने के लिए कुछ ट्रेनिंग देने वाले लोगों का सवाल है। उस समय चूकि सेना में इतने आदमी नहीं थे और चीन का आक्रमण हो गया था और सेना बढ़ाई जा रही थी तब सेना के उस हिस्से को लोगों को ट्रेनिंग देने के काम में नहीं लगाया जा सकता था। इस वास्ते कुछ लोगों को भारतीय तौर पर बहाल किया गया था और उनको बताया गया था कि वे बिल्कुल भारतीय हैं। अब चूकि सेना के लोग आ गये हैं और अच्छी तरह से शिक्षा देने का काम कर सकते हैं इस वास्ते उनकी जरूरत महसूस अब नहीं की जाती है।

Shri S. M. Banerjee: From the reply of the hon. Member, it appears that because they have got regular men in the Army now who are readily available, the services of the N.C.C. cadets are likely to be terminated. I would like to know whether it is a fact that, apart from the N.C.C. cadets who have been declared surplus, 6000 officers have also been declared surplus and retrenched and, if so, whether all those have been taken back or alternative employment has been provided to them.

Shri B. E. Bhagat: That refers to the possible retrenchment in other sectors.

Shri S. M. Banerjee: Sir, in this House, an assurance was given by Mr. Chavan.....

Mr. Speaker: If you have got information, you may give it.

Shri B. E. Bhagat: I do not have that information.

Shri Jyotirmoy Basu: Is it a fact that as a matter of policy, the unwanted persons in the regular Army are posted to the National Cadet Corps or the Territorial Army?

Shri B. E. Bhagat: No, Sir.

Shri Bal Raj Madhok: In view of the fact that for every officer or instructor, the Government has to spend a lot and give him training, and in view of the fact that we need increase in our defence forces, whether in the N.C.C. or in the regular Army, and in view of the fact that a large number of people are sought to be retrenched resulting in the wastage of experience that they have gained and the money that has been spent on them, may I know whether this policy will be reversed and the people will not be retrenched so that the strength of the Army may be maintained?

Shri B. E. Bhagat: It is now estimated and established that the Army cannot only look after itself but also it has adequate manpower to train the cadets. So far, they were doing it through some temporary arrangement. Now, they have their own personnel and, therefore, in future expansion, the interest of the Army will not be jeopardised.

Shri Shivajirao S. Deshmukh: May I know whether the Government is aware of the fact that at least some of the Instructors or Officers working in the N.C.C. are the former personnel of the Indian National Army organised by Netaji Subhas Chandra Bose and, if so, whether the Government propose to consider those cases at a separate level.

Shri B. E. Bhagat: Those personnel do not come in. These are the only people who have been recruited on a purely temporary basis and on a clear understanding.

Shri Shivajirao S. Deshmukh: They may be on a purely temporary basis. But some of them are the former personnel of the Indian National Army organised by Netaji Subhas Chandra Bose.

Shri B. B. Bhagat: All those who have been recruited on a particular understanding will be treated alike.

श्री रणजीत सिंह : क्या मैं पहले थोड़ी सी भूमिका दे दूँ ? 1966 के अन्त में एन० सी० सी० में भफसरों में आप के पास चौदह सी की कमी थी। जे० सी० ओ० में आप के पास एक हजार की कमी थी। एन० सी० ओज० के लिए आपके पास पूरे ढाई हजार की कमी थी। चूंकि एन० सी० सी० के अधिकारी जे० सी० ओज० की जगह और एन० सी० ओज० की जगह काम करते हैं इसलिए उनकी संख्या केवल इसलिए घटाई जा रही है कि देश की सुरक्षा का कुछ भी आप को विचार नहीं है ? मैं जानना चाहता हूँ कि एन० सी० सी० की संख्या सतरह लाख से घटा कर केवल पाठ लाख की जा रही है क्या यह सही नहीं है ?

श्री ड० रा० भगत : यह सवाल तो 673 सिखाने वाले लोगों का है और संख्या कितनी हो सेना की या ट्रेनिंग वालों की यह तो अलग सवाल है। लेकिन जैसा मैंने कहा है अभी उनको हटाया नहीं जा रहा है। जैसे जैसे सेना के सीखे हुए जूनियर कमिश्नड और नौन कमिश्नड भफसर आयेंगे सिखाने के लिए वैसे वैसे इनको हटाया जायेगा। अगर वे न आयें और तो ये सब काम में लगे रहेंगे। इस लिए आगे सेना कम हो या रक्षा की व्यवस्था हो ऐसा सवाल नहीं उठता है।

Shri Jyotirmoy Basu: We would like you to absorb them in the regular Army.

श्री रणजीत सिंह : मेरा व्यवस्था का प्रश्न है। मेरे प्रश्न का उत्तर नहीं मिला है। मूल प्रश्न यह है कि जो एन० सी० सी० के

कैडेट्स अंडर ट्राफ़िस्टर इत्यादि के रूप में एम्पलायड थे, वे सेना के भफसरों की जगह एम्पलायड नहीं थे। मंत्री महोदय सेना के भफसरों के बारे में बात कर रहे हैं। मूल प्रश्न यह है कि एन० सी० सी० के कैडेट्स सीनियर अंडर ट्राफ़िस्टर, अंडर ट्राफ़िस्टर और सार्जेंट मेजर्स की जगह पर एम्पलायड है। जो हमारी स्थायी सेना है, . . .

Mr. Speaker: He is going on giving the details.

श्री रणजीत सिंह : मंत्री महोदय, उत्तर भ्रमणों के बारे में दे रहे हैं।

श्री प्रकाशबीर शास्त्री : क्या रक्षा मंत्रालय ने एन० सी० सी० के इन अधिकारियों की कमी करते समय अपने मस्तिष्क में यह विचार रखा है कि एन० सी० सी०, ए० सी० सी० और नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के साथी, स्वर्गीय जेनरल भोंसले, द्वारा चालू की गई नेशनल डिमिप्लिन स्कीम, इन तीनों को मिला कर एक योजना बनाने का मुझाव है और उस आधार पर कोई कमी की जा रही है।

श्री ड० रा० भगत : इस सवाल की सूचना चाहिए।

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Cost of Living Index and D.A. to Central Government Employees

*146. **Shri D. C. Sharma:**

Shri Yashpal Singh:

Will the Minister of Finance be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the cost of living index has touched a new peak;

(b) if so, the steps taken to check this trend; and

(c) the steps taken or proposed to be taken to compensate Government employees in the matter of granting them additional dearness allowance?